



# TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 50

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad  
केन्द्र एवं उ०प्र० सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week

देश में कोरोना वायरस के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2752 हो गई, संक्रमितों की संख्या 85940 पर पहुंच गई। जबकि 24 घंटे में 103 लोगों ने कोरोना वायरस से अपनी जान गवाई और 3970 मामले सामने आए।

Inside Ghaziabad

साहिबाबाद मंडी में सोमवार को रहेगा साप्ताहिक अवकाश

पेज नंबर 2

Ghaziabad rules to be uniform with Delhi, Noida?



हेल्प लाइन नंबर

विदेश से यात्र कर लौटने वाले व्यक्ति की सूचना दें  
0120-4186453

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें  
0120-2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मी को रोके तो सूचना दें  
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर  
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम  
0120-2783098

जनपद की पहली कोरोना वायरस जांच लैब शुरू  
साहिबाबाद : कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में बनी जनपद की पहली कोरोना वायरस जांच लैब में बृहस्पतिवार को कार्य शुरू कर दिया गया है। कोरोना की जांच कराने के लिए कई लोग अस्पताल पहुंचे। कोरोना टेस्ट के लिए जांच कराने पहुंचे लोगों को 24 घंटे के अंदर ही जांच कर परिणाम बताने के लिए कहा गया है। कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. सुनील डागर ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से लोगों को कोरोना टेस्ट कराने में सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 7835008732 जारी किया गया है। कॉल आने पर अस्पताल के कर्मचारी कोरोना टेस्ट के लिए कंपनी और फैक्ट्रियों में भी जाएंगे, जिससे की ज्यादा से ज्यादा लोगों का कोरोना टेस्ट हो सके। प्रतिदिन सुबह नौ बजे से शाम को पांच बजे तक कोरोना टेस्ट किया जाएगा, इसके बाद कोरोना वायरस की जांच अस्पताल की लैब में कर रिपोर्ट दी जाएगी।

## देश में 31 मई तक लॉकडाउन-4 लागू गाइडलाइंस की गई जारी

### होटल, रेस्तरां, सिनेमा हॉल, मॉल, तरण ताल, जिम सभी 31 मई तक बंद रहेंगे

गाजियाबाद : कोरानो वायरस कोविड-19 से निपटने के लिए लागू लॉकडाउन की अवधि 31 मई तक बढ़ा दी गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने 17 मई शाम को यह जानकारी दी। एनडीएमए ने कहा कि कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन की अवधि को बढ़ाया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की तरफ से भारत सरकार/राज्य सरकार और राज्य अर्थोरेटीज को लॉकडाउन बढ़ाने का निर्देश देते हुए कहा गया है कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए देश में लॉकडाउन को बढ़ाने की जरूरत है। एनडीएमए के सदस्य सचिव जीवीवी शर्मा ने कहा कि आपदा प्रबंधन कानून 2005 के प्रावधान 6 (2) (आई)

इन चीजों पर प्रतिबंध जारी

1-घरेलू हवाई एंबुलेंस को छोड़कर सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर 31 मई तक रोक बरकरार रहेगी।

2- मेट्रो रेल सेवाएं, स्कूल, कॉलेज 31 मई तक बंद रहेंगे।

3- होटल रेस्तरां, सिनेमाहॉल, मॉल, स्वीमिंग पूल, जिम 31 मई तक बंद रहेंगे।

4- सभी सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक कार्यक्रम, प्रार्थना/धार्मिक स्थल लॉकडाउन विस्तार की अवधि में 31 मई तक बंद रहेंगे।

दुकानों को लेकर दिशा निर्देश

लॉकडाउन-4 में निषिद्ध क्षेत्रों में स्थित दुकानों और मॉल के अलावा सोमवार से सभी दुकानों को अलग-अलग समय पर खोलने की अनुमति है। स्थानीय प्रशासन सुनिश्चित करें कि निषिद्ध क्षेत्र के बाहर स्थित सभी दुकानें और बाजार अलग-अलग समय पर खुलें। सभी दुकानें सुनिश्चित करें कि उनके ग्राहक एक दूसरे से छह फुट की दूरी पर रहें और एक समय पर पांच लोगों को वहां रहने की अनुमति ना दें। इसके अलावा आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी लोगों के लिए शाम सात बजे से सुबह सात बजे के बीच देश भर में घरों से बाहर निकलने पर पाबंदी होगी।

## एयरपोर्ट पर पसरा रहा सन्नाटा, 25 मई से घरेलू उड़ान होंगी शुरू

साहिबाबाद : हिंडन एयरपोर्ट पर बृहस्पतिवार की दोपहर को सन्नाटा पसरा रहा। केंद्र सरकार द्वारा गाइडलाइन जारी किए जाने के बाद 25 मई से घरेलू उड़ान शुरू की जाएंगी। इस वजह से हिंडन एयरपोर्ट से विमान के जरिए यात्रा करने वाले लोगों ने भी राहत की सांस ली है, हालांकि बृहस्पतिवार को एयरपोर्ट पर सन्नाटा पसरा रहा। हिंडन एयरपोर्ट से पिथौरागढ़ और हुबली के लिए उड़ान भरी जाती है। लॉकडाउन के कारण करीब डेढ़ माह से अधिक समय से घरेलू उड़ान पर रोक लगा दी गई थी, जिसकी वजह से हिंडन एयरपोर्ट पर यात्रियों का आवागमन बंद हो गया था। इस दौरान एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल

तैनात रहा। बुधवार को घरेलू उड़ान के संबंध में गाइडलाइन जारी होने के बाद एक बार फिर से हिंडन एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। हिंडन एयरपोर्ट पर न केवल गाजियाबाद बल्कि दिल्ली, नोएडा और आसापास के जिले से भी लोग हुगली और पिथौरागढ़ जाने के लिए आते हैं। कोरोना से बचाव के लिए यात्रियों को जरूरी गाइडलाइन का पालन करना होगा। एयरपोर्ट परिसर में मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा। कोरोना के नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एयरपोर्ट परिसर में एलईडी लगाई गई हैं, जिस पर कोरोना के संक्रमण से बचाव की जानकारी यात्रियों को दी जाएगी।

## For Noida & GZB residents, flight ticket to act as pass

**NOIDA/GHAZIABAD:** With domestic flights set to resume services from May 25, those travelling between the Delhi airport and Noida or Ghaziabad will just need to show their confirmed tickets to enter or exit the two UP cities. Late on Friday evening, the Noida and Ghaziabad administrations said those travelling to railway stations, too would not be stopped at the borders if they have copies of confirmed train tickets. “The government of India has decided to start operations of domestic flights from May 25, 2020, and trains from June 1, 2020, for which, online ticketing

is being done. Hence, all the cops on duty should ensure that those possessing confirmed air tickets/railway e-tickets, be allowed to travel to the airport or railway station. For this, they would not require any pass,” the order by the Noida administration reads. Though the order does not mention anything about those who have to enter Noida from the IGI airport or Delhi railway station, a spokesperson for Noida police said the same rule would apply both ways. “People travelling back from the airport or station would not any pass if they have confirmed tickets,” the spokesperson said.



## साहिबाबाद मंडी में सोमवार को रहेगा साप्ताहिक अवकाश

साहिबाबाद : नवीन फल एवं सब्जी मंडी में अब प्रत्येक सोमवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। सोमवार को मंडी में सब्जी और फल की बिक्री और खरीदारी नहीं हो सकेगी। मंडी समिति के सचिव की ओर से भेजे गए इस प्रस्ताव पर जिला अधिकारी ने मुहर लगा दी और आदेश जारी कर दिया है। आढ़तियों का कहना है कि एक दिन का अवकाश होने के बाद सब्जी और फल की बिक्री पर असर नहीं पड़ेगा, लोग एक दिन पहले ही खरीदारी कर लेंगे। मंडी में साप्ताहिक अवकाश का फैसला सभी के हित में है। मंडी समिति के सचिव विश्वेंद्र कुमार ने बताया कि नवीन फल एवं सब्जी मंडी में अब प्रत्येक सोमवार को सब्जी और फलों की

### फैसले से आढ़ती भी खुश

नवीन फल एवं सब्जी मंडी व्यापारी समिति साहिबाबाद-गाजियाबाद के अध्यक्ष ज्ञान चंद यादव ने बताया कि मंडी समिति में एक दिन का अवकाश स्वागत योग्य कदम है। मंडी समिति के कर्मचारियों को एक दिन का अवकाश मिल जाएगा। इसके साथ ही मंडी में सफाई भी हो जाएगी। देश की लगभग सभी मंडियों में एक दिन का अवकाश रहता है लेकिन साहिबाबाद मंडी में अब तक कोई साप्ताहिक अवकाश नहीं होता था, जिस वजह से यहां पर साफ-सफाई ठीक से नहीं हो पाती थी।

बिक्री पर रोक रहेगी। सोमवार का दिन मंडी की साफ-सफाई और सैनिटाइजेशन के लिए निर्धारित किया गया है। जिससे की मंडी में साफ-सफाई हो सके और संक्रमण से भी लोगों को बचाया जा सके। हालांकि न केवल लॉकडाउन बल्कि इसके बाद भी यह व्यवस्था लागू रहेगी। लंबे

समय से इस संबंध में योजना बनाई जा रही थी, लेकिन अब मंडी में एक दिन का साप्ताहिक अवकाश रखना अति आवश्यक हो गया था। इस वजह से करीब एक सप्ताह पहले प्रस्ताव बनाकर जिला अधिकारी के पास भेजा गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर आदेश जारी कर दिए हैं।

## औद्योगिक इकाईयों के सामने बढने लगा वर्करो के संकट

गाजियाबाद : प्रवासी कामगारों के गृह जनपद व राज्यों को लौट जाने से औद्योगिक इकाईयों के समक्ष भी संकट आने लगा है। सरकार द्वारा लॉकडाउन-3 के दौरान उद्योगों के साथ कामगारों के लिए घर लौटने को रास्ते खोलना समस्या को जन्म दे गया। निर्माण इकाईयों में काम करने वाले कामगार अपने साथ उद्योगों में कार्यरत गांव व क्षेत्र के वर्करो को भी ले गए। कोरोना संकट के चलते करीब डेढ़ माह तक देश भर में सभी गतिविधियां पूरी तरह बंद रहीं। लॉकडाउन-3 में सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित उद्योगों को चालू करने की सशर्त मंजूरी दी। इसी के साथ सरकार ने दूसरे जनपद व राज्यों

से आए प्रवासी कामगारों के लिए रास्ते खोल दिए। पैदल व ट्रेन-बसों से हजारों की संख्या में प्रवासी अपने घरों को लौटने लगे। इनमें अधिकांश निर्माण इकाईयों में काम करने वाले थे। उद्यमियों की माने तो उक्त कामगार वापस लौटते हुए अपने गांव व क्षेत्र के लोगों को भी अपने साथ ले गए। जनपद में 10 हजार से अधिक इकाईयां चालू हो चुकी हैं। इसके अलावा दो दिन पूर्व गैर औद्योगिक क्षेत्रों में संचालित होने वाली करीब 10 हजार इकाईयों को कोविड-19 के निर्देशों के पालन में इन्हें काम करने को कहा गया है। हालांकि उद्योगों में मजदूर कम हैं, लेकिन अभी कम मजदूरों से ही काम लिया जा रहा है।

### दो लोगों के खाते से निकाले 25 हजार रुपये

गाजियाबाद : जालसाजों ने दो लोगों के खाते से 25 हजार रुपये निकाल लिए। पीडितों की तहरीर थाना कविनगर और विजयनगर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। लालकुआं निवासी निधि के मुताबिक राजनगर स्थित एचडीएफसी की शाखा में उनका बचत खाता है। 19 मई की सुबह तीन मिनट के अंतराल दो मैसेज आए। इनमें 10-10 हजार रुपये एटीएम के माध्यम से निकाले जाने की सूचना थी। निधि का कहना है कि एटीएम कार्ड उस समय उनके पास ही था और पैसे उन्होंने नहीं निकाले। एसएचओ कविनगर मोहम्मद असलम ने बताया कि रुपये एटीएम कार्ड को क्लोन कर निकाले गए हैं।

## लॉकडाउन में अवैध निर्माण कर रहे पांच बिल्डरों पर दर्ज किया गया केस

गाजियाबाद : लॉकडाउन का फायदा उठाकर चोरी-छिपे अवैध निर्माण करा रहे पांच बिल्डरों के खिलाफ थाना कविनगर में केस दर्ज किया गया है। जीडीए की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पांचों बिल्डरों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 51(बी) और आइपीसी की धारा 188 व 434 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें से चार के खिलाफ पूर्व में ही इसी अवैध निर्माण के आरोप में एफआइआर दर्ज कराई गई थी। जीडीए के प्रवर्तन जोन-3 में तैनात अवर अभियंता सचिन अग्रवाल की ओर से दी गई शिकायत के मुताबिक बालाजी एंक्लेव में अनिल तोमर,

विरेंद्र व सत्यप्रकाश ने बालाजी एंक्लेव, राजू चौधरी ने राधा गार्डन और राजेश चौहान ने कृष्णा एंक्लेव में अवैध निर्माण किया था। पहले चार बिल्डरों के खिलाफ बीते साल ही एफआइआर दर्ज करा, निर्माण को सील व ध्वस्त किया गया था। वहीं राजेश को अवैध निर्माण के लिए 13 जनवरी को नोटिस दिया गया था। इसके बावजूद पांचों बिल्डरों ने अपने उसी स्थल पर लॉकडाउन में अवैध निर्माण शुरू कर दिया। निर्माण जल्द पूरा करने को रात में भी काम कराया जा रहा था। 19 मई को सूचना के आधार पर जीडीए की टीम ने स्थलों का निरीक्षण किया तो निर्माण होता मिला।

## पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई

गाजियाबाद : महानगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 29 पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान गरीब लोगों को खीर, पुलाव तथा फलों का वितरण किया गया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष मनोज कौशिक ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे नेताओं का नाम शहादत में दर्ज है। देश के लिए पूर्व प्रधानमंत्री आयरन

लेडी नाम से मशहूर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद उनके बेटे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी आतंकी हमले में आज के दिन तमिलनाडू में शहीद हुए। कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य रूप से रवि चौधरी, अमित कुमार, आशुतोष गुप्ता, अनुज चौधरी, पूजा मेहता, आशीष कुमार, मोहित गौड़, बलजीत भाटी आदि मौजूद रहे।

## ट्रांस हिंडन में कोरोना से प्रभावित हो चुके क्षेत्र

साहिबाबाद : ट्रांस हिंडन में शहीद नगर, शालीमार गार्डन, गिरधर एंक्लेव, ब्रिज विहार, विक्रम एंक्लेव, झंडापुर, कृष्णा अपार्टमेंट शालीमार गार्डन, कड़कड़ मॉडल, वैशाली, गुल मोहर ग्रीन सोसायटी, भोवापुर, वसुंधरा सेक्टर-3, वसुंधरा सेक्टर-1, रेल विहार, खोड़ा, त्रिशूल टावर सोसायटी सहित कई अन्य जगह कोरोना संक्रमित मरीज मिल चुके हैं, इनमें से कई स्थानों पर संक्रमित व्यक्ति अब स्वस्थ होकर सोसायटी में वापस लौट चुके हैं, लेकिन कुछ सोसायटी ऐसी हैं, जहां रहने वाले संक्रमित अब भी क्वारंटाइन हैं। वहीं जनपद का नगरीय क्षेत्र औरेंज जोन से रेड जोन में पहुंच गया है। इसकी मुख्य वजह

### सबसे ज्यादा खोड़ा, झंडापुर में खतरा

खोड़ा और झंडापुर में संक्रमितों की संख्या एक से अधिक है, इस वजह से यहां पर संक्रमण फैलने की संभावना भी अधिक है। जबकि यहां पर पूर्व में लापरवाही बरती जा रही थी, लोग लॉकडाउन का पालन नहीं कर रहे थे। इस संबंध में कई बार सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर लोगों ने अधिकारियों को जानकारी दी थी।

संक्रमण से बचाव के लिए अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरते जाना है। समय-समय पर स्थानीय लोग वीडियो, फोटो खींचकर लॉकडाउन के उल्लंघन की जानकारी देते रहे। कोरोना से ज्यादातर वह सोसायटी ही अब तक बची हुई है, जहां पर स्थानीय लोगों ने खुद ही लॉकडाउन का पूरी तरह से

पालन किया और बेवजह आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दी। जिन सोसायटियों में कोरोना के संक्रमित मरीज मिले, वहां पर भी लापरवाही दिखाई गई। सोसायटियों को सील करने, वहां सैनिटाइजेशन कराने और संक्रमित के संपर्क में आने वालों का कोरोना टेस्ट कराने में लापरवाही की गई।



**हाथ जोड़कर निवेदन है**

**मास्क या कोई और सामान इधर-उधर ना फेंके**



**अगर यह महामारी जानवरों में फैल गई तो इसको रोकना असंभव होगा।**

**कृपया ध्यान रखें**

**Rtn. Manisha Bhargava & Dr. Dheeraj K. Bhargava**



## कोरोना के छह नए केस आए, दो और ठीक हुए

गाजियाबाद: जिले में बृहस्पतिवार को कोरोना संक्रमण के छह नए मामले आए हैं। इसके साथ ही जिले में संक्रमितों की संख्या 200 के पार पहुंच गई है। 21 मई तक जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या 202 हो चुकी है। संक्रमित पाए गए सभी लोगों ने निजी लैब में टेस्ट कराया था। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के लिए गए 94 सैंपलों की रिपोर्ट आई, जोकि सभी नेगेटिव पाई गई। बृहस्पतिवार को विभाग ने 210 नए सैंपल लिए हैं। अब 305 सैंपलों की जांच रिपोर्ट का इंतजार है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक मुरादनगर की महिला पेट में दर्द

होने पर कोलंबिया एशिया अस्पताल में इलाज कराने गई थीं। जांच कराने पर वह कोरोना पाजिटिव पाई गई। उन्हें ईएसआइसी, राजेंद्र नगर में भर्ती कराया गया है। 5-6 स्वजनों को होम क्वारंटाइन किया गया है। नंदग्राम, आश्रम रोड निवासी एक व्यक्ति भी पॉजिटिव पाया गया है। उसके घर के चार लोगों को क्वारंटाइन सेंटर भेज ईएसआइसी में भेजा गया है। नोएडा की एक कंपनी में काम करने वाले साहिबाबाद निवासी टेक्नीशियन भी पॉजिटिव पाए गए हैं। हैरान करने वाली बात है कि टेक्नीशियन की कंपनी में काम करने वाले 29 लोग अभी तक

कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। स्वास्थ्य और पुलिस विभाग टेक्नीशियन की कॉल हिस्ट्री से उनके संपर्क में आने वालों का पता लगा रहा है। आशंका है कि टेक्नीशियन के 20 से अधिक लोग संपर्क में आ चुके हैं। वहीं दिल्ली गेट के दो लोग तीन दिन पहले पाजिटिव आए गए थे, जिन्हें गाजियाबाद स्वास्थ्य विभाग ने बृहस्पतिवार को कोरोना संक्रमितों में जोड़ा है, जबकि दोनों को दो दिन पहले ही ईएसआइसी में भर्ती करा दिया गया था। बृहस्पतिवार को संक्रमित पाया गया छठा व्यक्ति एक मजदूर है, जो साहिबाबाद की

स्टील कंपनी में कार्यरत है। हैरत है कि दिल्ली की निजी लैब में हुई जांच के बाद मजदूर के कोरोना संक्रमित होने की रिपोर्ट सात मई को आई थी। न तो लैब ने और न ही कंपनी ने स्वास्थ्य विभाग या प्रशासन को इसकी सूचना दी। विभागीय सूत्रों से मजदूर के संक्रमित होने का 14 दिन बाद पता चला, जबकि इतने से भी कम अवधि में कोरोना के सामान्य संक्रमित ठीक हो जाते हैं। स्वास्थ्य विभाग को यह भी पता चला है कि रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भी कई दिन तक मालिक मजदूर से काम लेता रहा।

घायल महिला को एसएसपी ने एस्कॉर्ट की गाड़ी से अस्पताल भिजवाया

गाजियाबाद : सड़क पर एक्सिडेंट में घायल हुई महिला को एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बुधवार को अपने एस्कॉर्ट की गाड़ी से अस्पताल भिजवाया। एसएसपी ने बताया कि मोरटा के शेल्टर होम के निरीक्षण से लौट रहे थे। इसी दौरान हापुड़ मोड़ पर एक बाइक पर पीछे बैठी महिला बाइक के अनियंत्रित होने के कारण चोटिल हो गई थी। महिला को तुरंत एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें उपचार के बाद शाम को छुट्टी दे दी गई।

## आइटीएमएस प्रोजेक्ट बंद, वीसी ने किए आदेश

गाजियाबाद : शहर की सड़कों पर अब इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) नहीं लगेगा। जीडीए वीसी कंचन वर्मा ने इस प्रोजेक्ट को बंद करने का आदेश कर दिया है। जाम से शहर को राहत पहुंचाने के लिए जीडीए ने सड़कों पर आइटीएमएस लगाने की योजना बनाई थी। 69.95 करोड़ रुपये में इंदिरापुरम की फर्म को ठेका दिया गया था। इसके तहत 112 चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइटें लगनी थीं। पीटीजेड (पैन टिल्ट जूम) कैमरे, व्हीकल डिटेक्शन कैमरे, 15 चौराहों पर रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन (आरएलवीडी) और नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे (एनपीआर)

कैमरे लगाने थे। ताकि, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को चिह्नित करके उन्हें ई-चालान भेजे जा सकें। 82 स्थानों पर पब्लिक एट्रेस सिस्टम भी लगने थे। आठ सड़कों को ग्रीन कॉरिडोर बनाना था। हिंडन एलिवेटेड रोड से आइटीएमएस का काम शुरू कराया गया था। इस प्रोजेक्ट को लेकर आपत्तियां लगीं। ठीकेदार फर्म को मध्यप्रदेश पुलिस से ब्लैकलिस्ट किए जाने की शिकायत हुई। इस पर विधिक राय लेने के बाद जीडीए वीसी ने प्रोजेक्ट रोकने और ठेका निरस्त करने का आदेश दे दिया है। मुख्य अभियंता विवेकानंद सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

## आरडब्ल्यू और एओए की मनमानी रोकने के लिए डीएम से मिले कर्मयोगी

गाजियाबाद : आरडब्ल्यू और एओए पदाधिकारियों की मनमानी के खिलाफ बृहस्पतिवार को अखबार वितरण करने वाले कर्मयोगियों ने रोष व्यक्त किया। कुछ आरडब्ल्यू और एओए द्वारा सोसायटियों में अखबार वितरण पर पाबंदी लगाने के कारण उनके सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। कर्मयोगियों ने जिला गाजियाबाद समाचार पत्र वितरक संघ के बैनर तले डीएम को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। डीएम ने कार्रवाई का भरोसा दिया है। संगठन के अध्यक्ष बब्बर सिंह चौहान ने बताया कि कोरोना महामारी को रोकने के लिए लॉकडाउन लगा दिया गया है। मगर जरूरी वस्तुओं सब्जी, दूध आदि की आपूर्ति की जा रही है। अखबार भी जरूरी चीजों में आता है। प्रशासन की तरफ से अखबार वितरण पर कोई रोक नहीं लगाई गई। मगर विभिन्न सोसायटियों के एओए और आरडब्ल्यू के पदाधिकारियों ने अपने अवैध नियम सोसायटियों में लागू कर दिए हैं।

सोसायटी के लोग अखबार की मांग कर रहे हैं। मगर पदाधिकारी कर्मयोगियों को अखबार वितरण करने से रोक रहे हैं। जिन सोसायटियों में 400-500 परिवार रहते हैं, वहां पदाधिकारी सोसायटी के मुख्य गेट पर रोक कर चार-पांच अखबार की प्रतियां लेकर रख लेते हैं। अखबार वितरण के अलावा कोई अन्य रोजगार का साधन नहीं है। उनके सामने रोजगार का संकट पैदा हो गया है। उन्होंने बताया कि अखबार सैनिकाइज होकर लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। अखबार से कोरोना नहीं फैलता है। डॉक्टर भी इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं। प्रिटिंग के दौरान भी अखबार को सैनिकाइज कराया जाता है। लोगों को घरों तक अखबार पहुंचाने से पहले कर्मयोगियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जाती है। कर्मयोगी मास्क, दस्ताने पहनते हैं। इसके बावजूद भी सोसायटी के पदाधिकारी अखबार वितरण में रोड़ा बने हुए हैं।












ॐ शन्नोदेवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये।  
शंयोरभिश्चवन्तु नः। ॐ शं शनैश्चराय नमः।

**आप सभी को**  
**शनि जयंती की**  
**हार्दिक शुभकामनाएं**

**Rtn. Manisha Bhargava**  
**CEO:** Tirupati Balaji Advertising & Marketing  
**Past President:** RC of Indrapuram Galore  
**Resolute Health Awareness Mission (RHAM)**  
**Mob.:** +91 9818373200, 8130640099

---

**Rtn. Dr. Dheeraj Kumar Bhargava**  
**CEO:** Tirupati Balaji Advertising & Marketing  
**Founder & Chair:** Resolute Health Awareness Mission (RHAM)  
**Founder :** Achiever Bhargava Club, Ghaziabad  
**President :** Ghaziabad Bhargava Sabha (2016-2019)  
**Executive Counsel :** All Indina Bhargava Sabha (2019-2021)  
**Editor :** Tirupati Balaji Chronicle  
**(Ghaziabad 1st Bilingual Weekly Newspaper)**  
**Home Club :** Rotary Club of Indrapuram Galore  
**Charter President (2016-2017)**  
**District Chair Thalassemia Committee (2019-2020)**  
**Best Rotarian of the Year 2017-18 (Dist. 3012)**  
**Chair - (U.P.) District Polio Challenge Giving**  
**Chair - District T.B. Awareness (2018-2019)**  
**Chair - District Maternal & Child Health Committee (2018-2019)**  
**Chair - Disease Prevention & Treatment Health Camps & Medical Missions (2018-2019)**  
**Chair - Disease Prevention & Treatment Child / Hyging Awareness (2018-2019)**  
**Mob. :** +91 9810522382, 9818373200



**Book Your Advertisement with us**  
**Tel.: 09810522380, 09818373200**  
 Plot No. 516, Sector - 12, Friends Cooperative Society, Near Gate No. 2, Vasundhara, Ghaziabad  
**www.tbam.co.in      www.tbcbgzb.com**



**EDITORIAL****Working safely: On workplaces during the pandemic**

**Opening** up economic production from a lockdown, even partially, when the COVID-19 pandemic has not peaked in the country poses an extraordinary challenge. Countries around the world are focusing on making the workplace safe, and issuing guidelines to help workers return to their jobs. Reducing the number of people present at any given time is a universal principle, either through resort to shifts, or arrangements to enable employees to work from home. The Union Health Ministry has addressed the issue through a manual of preventive measures that covers all types of workplaces and depends heavily on behavioural change, with some additional requirements for confined spaces such as offices. Fortunately, the first line of defence against the novel coronavirus is a set of simple measures that involves little expenditure: physical distancing of at least one metre, mandatory use of face masks or cover, frequent hand washing with soap, respiratory etiquette, sanitising contact surfaces and self-monitoring of health. These requirements have by now become familiar to everyone, and employees need only be nudged into adopting them through persistent communication, free provisioning of masks and sanitising materials, and organising office space suitably. Physical distancing of even one metre, if not the ‘do gaz’ or six feet that Prime Minister Narendra Modi advocated, does pose difficulties because of the lack of space and density of workers in many places. But employers should see the value of keeping staff attendance at safe levels even within the legally permitted ceiling, which now extends to 50% in specified sectors and even in some government offices. Failure to maintain distancing, more so in a poorly-ventilated, closed environment, gives the virus a free run, as Chennai’s wholesale vegetable market showed starkly.

The Centre’s protocol for symptomatic cases at the workplace, requiring testing, and, where warranted, quarantining of both the worker and close contacts, and a two-day closure of offices experiencing an outbreak, should underscore to employers the importance of prevention. Responsibility, however, does not devolve entirely on offices and establishments, and it is imperative for other activities, such as public transport used by many workers, to meet COVID-19 requirements. Some institutions are mandating installation of the Aarogya Setu app by employees returning to work, when the legal basis of this monitoring mechanism remains shaky and there are no assured benefits in terms of health care. At this stage of the pandemic, when a gradual resumption of economic activity in multiple sectors ranging from construction to food takeaways is a necessity, the most feasible interventions at the workplace are voluntary and those that cost the least. There may still be occasion to resort to intermittent lockdowns if opening up leads to mounting cases. A prudent course would be to navigate the present with a minimalist approach, as the quest for a medical breakthrough makes progress.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

**सब्जी की बिक्री को लेकर विक्रेता को पीटा**

गाजियाबाद : सस्ती सब्जी बेचने को लेकर एक युवक से तीन भाइयों ने मारपीट कर दी। घटना 19 मई को गोविंदपुरम पानी टंकी के पास की है। पीडित की शिकायत पर कविनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी कर ली गई है। डासना निवासी अनवार ने बताया कि वह गोविंदपुरम में सब्जी बेचता है।

**लोगों ने सफाई कर पौधे लगाए, कूड़ा नहीं उठा रहा जीडीए**

साहिबाबाद : इंदिरापुरम के न्याय खंड—दो में लोगों ने लॉकडाउन में पार्क की दीवार के किनारे जमी गंदगी को साफ कर क्यारी बनाया और पौधे लगा दिए। अब वहां एकत्र मलबा उठवाने के लिए लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि जहां जीडीए की ओर से झाड़ू लगाकर सफाई कराई जानी चाहिए। वहां लोगों ने सफाई की लेकिन जीडीए कूड़ा तक नहीं उठवा पा रहा है। न्याय खंड दो निवासी आलोक मिश्रा ने बताया कि आम्रपाली विलेज सोसायटी के गेट के बाहर एक छोटा सा पार्क है। पार्क के बाहर दीवार के किनारे कई महीनों से गंदगी जमा थी। उन्होंने स्थानीय निवासी राम कुमार शर्मा, मनोज, अरुण, विनय,

सुशील, कुशल पाल चौहान सहित दर्जनों लोगों के साथ श्रमदान कर दीवार के किनारे जमा गंदगी की सफाई कराई। लोगों ने मलबा हटाकर एक जगह एकत्र किया। इसके बाद दीवार के किनारे क्यारी बनाकर उसमें फूल पौधे लगाए। इसे देखकर कॉलोनी के लोग स्वच्छता को लेकर जागरूक हुए। आलोक मिश्रा का कहना है कि उन्होंने एकत्र हुआ मलबा उठाने के लिए जीडीए के अधिकारियों से संपर्क किया। लेकिन कूड़ा नहीं उठा रहा है। इससे जीडीए का काम करने वाले लोग निराश हो रहे हैं। उनका कहना है कि एक तो उन्होंने जीडीए का काम किया। अब जीडीए कूड़ा नहीं उठवा रहा है।

**मदद के बहाने बाइक लेकर फरार**

इंदिरापुरम : कनावनी पुश्ता रोड पर बुध बाजार के पास बुधवार दोपहर शांतिर उग ने मदद करने का झांसा देकर एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। पीडित ने इंदिरापुरम थाना पुलिस से शिकायत की है। वहीं, वैशाली सेक्टर— एक कामना कॉलोनी से मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। कनावनी में रहने वाले सुदर्शन सिंह बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे मोटरसाइकिल द्वारा पुश्ता रोड से गुजर रहे थे। बुध बाजार के पास अनियंत्रित होकर वह गिर गए। मौके पर पहुंचा एक उग मदद के बहाने उनकी मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। इंदिरापुरम थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव शर्मा का कहना है कि जांच आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

**चंद्र नगर सीमा सुबह—शाम दो घंटे के लिए खुली**

साहिबाबाद : कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए सील किए गए यूपी गेट पर बृहस्पतिवार को वाहन चालकों की बेरोकटोक आवाजाही हुई, जबकि दिल्ली की ओर से पैदल आने वाले प्रवासी कामगारों को प्रवेश नहीं दिया गया। उन्हें वापस दिल्ली भेज दिया गया। हालांकि कुछ कामगार पैदल ही गाजियाबाद की सीमा में प्रवेश कर गए। कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए दिल्ली से सटी गाजियाबाद की सभी सीमाओं को सील कर पाबंदियां लगाई जाने का प्रशासन दावा कर रहा है। प्रशासन के अनुसार केंद्र व दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को सुबह नौ बजे के पहले दिल्ली जाने और शाम छह बजे के बाद वापस आने की अनुमति है। जरूरी सेवाओं से जुड़े लोग व पासधारक किसी भी

समय आ — जा सकते हैं लेकिन पिछले तीन दिनों से यूपी गेट सीमा से वाहन चालक बेरोकटोक किसी भी समय आ जा रहे हैं। महाराजापुर सीमा पूरी तरह से सील है। बृहस्पतिवार को भी यूपी गेट से वाहन चालक बिना जांच—पड़ताल के दिल्ली में आवाजाही करते रहे। महाराजपुर सीमा बिल्कुल सील रही। चंद्र नगर सीमा सुबह और शाम दो घंटे के लिए खोली गई। अप्सरा बार्डर, शालीमार गार्डन व भोपुरा सीमा पर जांच—पड़ताल के बाद वाहनों की आवाजाही हुई। किसी भी सीमा से दिल्ली की ओर से पैदल आने वाले कामगारों को प्रवेश नहीं दिया गया। उन्हें वापस भेज दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी का कहना है कि सुरक्षा—व्यवस्था पुख्ता है। सीमाओं पर विशेष नजर रखी जा रही है।

**कामगारों को पश्चिम बंगाल ले जाने का प्रयास, दो बस सीज**

इंदिरापुरम : मकनपुर में किराए पर रहने वाले प्रवासी कामगारों को अवैध तरीके से पश्चिम बंगाल पहुंचाने के लिए आई दो बसों को पुलिस ने सीज कर दिया। प्रवासी कामगारों को समझाकर वापस घरों में भेज दिया। वहीं, सड़कों पर पैदल चल रहे कामगारों को शेल्टर होम तक पहुंचाने के लिए ट्रांस हिंडन के थानों व सीमा पर बसें खड़ी रहीं। बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे दो बसें मकनपुर पहुंचीं। बस चालकों ने यहां किराए पर रहने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों को मूल निवास पहुंचाने का झांसा दिया। पश्चिम बंगाल जाने के लिए लोग बसों में सवार होने लगे। इसकी सूचना इंदिरापुरम

**पैदल चलने वालों के लिए खड़ी रहीं बसें**

गाजियाबाद की सीमा में पैदल आ जाने वाले कामगारों को शेल्टर होम में पहुंचाने और शेल्टर होम से रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए प्रशासन की ओर से बसों की व्यवस्था की गई है। बृहस्पतिवार को यूपी गेट, कौशांबी और इंदिरापुरम थाना पर बसें खड़ी मिलीं।

थाना पुलिस को मिल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालकों से बस को पश्चिम बंगाल ले जाने के लिए पास मांगा, जो वह नहीं दे सके। जांच में पता चला कि चालक अवैध तरीके से लोगों को बसों में बैठाकर पश्चिम बंगाल ले जाने के फिराक में थे। बसें दिल्ली से आई हैं। दिल्ली से गाजियाबाद की सीमा में बसों के आ जाने की

भी पुलिस जांच कर रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव शर्मा ने बताया है कि बसों को सीज कर दिया गया है। लोगों को समझाकर घर वापस भेज दिया गया है। उन्हें कहा गया है कि प्रशासन की ओर से व्यवस्था होने पर मूल निवास जाएं, अन्यथा कि स्थिति में जोखिम है और ठगी का शिकार हो सकते हैं।



## पांच ट्रेनों में सात हजार मजदूर भेजे

गाजियाबाद % गाजियाबाद से बृहस्पतिवार को भी कामगारों के लिए पांच श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। इस दौरान रेलवे स्टेशन पर कामगारों से शारीरिक दूरी का पालन कराया गया। ट्रेनों के लगातार चलने के बाद भी कामगारों की संख्या कम नहीं होने के कारण शुक्रवार को भी ट्रेनें चलाई जाएंगी। गाजियाबाद से बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार अपने घर लौट रहे हैं। पिछले एक हफ्ते से कामगारों के लिए गाजियाबाद से ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में कामगार बचे हुए हैं। मजदूरों को मोरटा स्थित राधा स्वामी सत्संग आश्रम में शारीरिक दूरी के साथ रखा गया था। प्रशासन ने इनके लिए खाने की व्यवस्था

प्रत्येक ट्रेन में 1400 यात्री बैठाए गए थे, एक हफ्ते से चलाई जा रही है ट्रेने

की है। आश्रम से मजदूरों को बसों में बैठाकर रेलवे स्टेशन पर ले जाया गया। बृहस्पतिवार को पटना, दरभंगा, कटिहार, गोरखपुर और मानिकपुर के लिए ट्रेन चलाई गई। प्रत्येक ट्रेन में 1400 यात्री बैठाए गए। अभी भी सत्संग आश्रम कामगार बचे हुए हैं। इनके लिए शुक्रवार को ट्रेनें चलाई जाएंगी। स्टेशन अधीक्षक कुलदीप त्यागी ने बताया कि सभी को सुरक्षित तरीके से ट्रेन में बैठाया गया। शारीरिक दूरी बनाने के लिए सड़क पर गोले बनाए गए हैं।

## मनीष हत्याकांड के आरोपितों पर गैंगस्टर

गाजियाबाद : बम्हैटा निवासी कारोबारी मनीष यादव की हत्या के आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार को हत्याकांड में शामिल नौ आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। नगर कोतवाल विष्णु कौशिक ने बताया कि 22 दिसंबर 2019 को मनीष यादव को उनकी दुकान के सामने गोली मार दी गई थी। गंभीर स्थिति में मनीष को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान अगले दिन उनकी मौत हो गई थी। आरोपितों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।

## पूर्ण होने चुके हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए बेहतर मौका

गाजियाबाद : रियल एस्टेट सेक्टर में पूर्ण हो चुके और पूरे होने के करीब पहुंचे हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए मौजूदा वक्त अच्छा होगा। बिल्डर ऐसा मान रहे हैं। उनका कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में नए हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू नहीं होंगे। ऐसे में खरीदारों का फोकस पूर्ण हो चुके और पूरे होने के करीब पहुंचे प्रोजेक्ट में निवेश पर रहेगा। प्लैट की मांग और आपूर्ति में संतुलन का फायदा खरीदार और बिल्डर दोनों को मिलेगा। बिल्डरों ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन, क्रासिंग रिपब्लिक, एनएच-नौ, मेरठ रोड, गोविंदपुरम और हापुड रोड पर

46 हाउसिंग प्रोजेक्ट में 4360 प्लैट तैयार हैं। 32 प्रोजेक्ट में 70 से 80 फीसद निर्माण हो चुका है। इस साल के अंत तक इन प्रोजेक्टों में करीब 2500 प्लैट बन जाएंगे। क्रेडाय गाजियाबाद के प्रेजिडेंट गौरव गुप्ता ने बताया वर्तमान परिस्थितियों में तैयार प्लैट बेचना ज्यादा आसान होगा। क्योंकि कोरोना संक्रमण काल में कोई भी बिल्डर नए प्रोजेक्ट शुरू नहीं करेगा। नए प्रोजेक्टों के शुरू न होने से रियल एस्टेट मार्केट में तैयार प्लैट की उपलब्धता कम रहेगी। ऐसे में जिन बिल्डरों के प्रोजेक्टों में रेडी-टू-मूव प्लैट हैं, उनकी बिक्री आसानी से हो जाएगी।

## गाजियाबाद में 15 इकाईयां कर रही पीपीई किट का उत्पादन

गाजियाबाद : सभी शहरों की अपनी अलग पहचान है। गाजियाबाद की पहचान ऑटोमोबाइल कलपुर्जे, चीनी मिल, मशीनरी पुर्जे, लिफ्ट आदि के निर्माण के लिए होती है। कोरोना संकट के चलते यहां के करीब डेढ़ दर्जन उद्यमियों ने पर्सनल प्रोटेक्शन एक्वूपमेंट (पीपीई) किट के निर्माण में कदम रखा, जिनमें 15 कंपनियां संचालित हैं और वह फेब्रिक से लेकर सिलाई व टेडक्षप तक डिफेंस रिसर्च एंड डवलपमेंट आर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ), साउथ इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (सिटरा) व ओर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) से एप्रूव्ड हैं। गाजियाबाद की पहचान भले ही इंजीनियरिंग गुड्स के लिए हो, लेकिन यहां पिछले दो माह में

पीपीई किट निर्माता देव कुमार ने बताया कि हम नियमों का पालन करते हुए प्रतिदिन करीब ढाई हजार पीपीई किट बनाते हैं। हमारा प्रोडक्ट डीआरडीओ से एप्रूव्ड है। किट के लिए टेपिंग मशीन का आयात चीन से करना पड़ा, जो दोगुना दामों में मिली। हमारे यहां से किट सरकारी व निजी अस्पतालों को सप्लाई होती है।

बेहतर क्वालिटी की पीपीई किट बनाने वाले उद्योगों ने भी नाम किया। शुरूआत में यहां करीब डेढ़ दर्जन इकाईयों ने पीपीई किट बनाने के लिए आवेदन किया था, जिनमें से दो ने आवेदन वापस ले लिए। एक संचालित नहीं कर सका। अभी यहां डीआरडीओ, सिटरा व ओएफबी से एप्रूव्ड पीपीई किट बनाने वाली 15 इकाईयां संचालित हो रही हैं। इसमें प्रत्येक दिन 1500 से लेकर 3000 हजार तक किट तैयार की जा रही हैं। सरकारी

अस्पतालों के अलावा निजी अस्पतालों में भी यहां की किट उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस कार्य से जुड़े उद्यमियों की माने तो इसमें कोई भी कोताही नहीं बरतेगा। अगर ऐसा किया तो मौजूदा वक्त में उसके लिए गंभीर परेशानी खड़ी हो जाएगी। दुनिया के हर देश में चीन से कोरोना फैलने का आरोप है। कमाल देखिए कि पीपीई किट पर टेपिंग के लिए मशीन भी चीन से ही आयात करनी पड़ रही है। किट में टेपिंग के लिए चीन से टेपिंग किट

मशीन मंगाने वाले उद्यमी ने बताया कि चीन ने इस मशीन के आम दिनों के मुकाबले दो गुना दाम वसूल रहा है। बता दें कि टेपिंग मशीनों की दुनिया भर में मांग हो रही है, जिसका लाभ उठाया जा रहा है। पीपीई किट निर्माता तरुण जैन ने बताया कि हमारे यहां प्रतिदिन करीब तीन हजार पीपीई किट का निर्माण होता है, जो सिटरा व डीआरडीओ से एप्रूव्ड है। टेपिंग मशीन मेड इन इंडिया फरीदाबाद हरियाणा से मंगाई। इसके लिए 15 दिन इंतजार करना पड़ा। सीएसआर फंड के तहत हम अभी तक 235 अस्पतालों में सरकार के मानकों के अनुरूप करीब दो लाख यूनिट किट उपलब्ध करा चुके हैं। हमारे यहां एसपीएस फेब्रिक से किट का निर्माण किया जा रहा है।

## फीस जमा नहीं की तो ऑनलाइन क्लास से किया ब्लॉक

गाजियाबाद : मेरठ रोड स्थित एक निजी विद्यालय में एक अभिभावक ने बच्चे की फीस जमा नहीं होने से ऑनलाइन कक्षा से ब्लॉक करने का आरोप लगाया है। अभिभावक का कहना है कि विद्यालय की ओर से लगातार फीस की मांग की जा रही है। इसके लिए उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक से इसकी शिकायत की। मेरठ रोड स्थित विद्यालय की ओर से अभिभावकों से लगातार फीस की मांग की जा रही है। एक अभिभावक ने बताया कि उनका बच्चा कक्षा सात में पढ़ रहा है। विद्यालय की ओर से बच्चे को ऑनलाइन कक्षा से ब्लॉक कर दिया। इसका कारण पूछने पर बताया कि बच्चे की एडमिशन फीस जमा नहीं हुई है।

## सामान्य कोरोना मरीजों के इलाज के लिए 1850 अतिरिक्त बेड होंगे तैयार

गाजियाबाद : जिले में सामान्य कोरोना मरीजों के इलाज के लिए कोविड-19 एल-1 अस्पताल के समकक्ष 1850 अतिरिक्त बेड तैयार किए जाएंगे। इसके लिए राज्यपाल ने जिले के पांच उच्च शिक्षण संस्थानों को अधिसूचित करने की अनुमति दी है। फिलहाल जिले में कोविड-19 एल-1 के दो डेडीकेटेड अस्पताल हैं, जिनमें 136 बेड हैं और समकक्ष के 210 बेड हैं। 1850 बेड तैयार होने के बाद जिले में लेवल-1 के मरीजों के लिए 2200 बेड हो जाएंगे, जबकि संजयनगर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय को कोविड-19 एल-2 अस्पताल बनाया गया है, जिसमें 100 बेड हैं। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बताया कि आइएमएस

डासना में 450, एकेजीआईटी में 400, आइडियल इंस्टीट्यूट में 350, एसआरएम यूनिवर्सिटी में 450 और सुंदरदीप आयुर्वेदिक अस्पताल में 200 बेड एल-1 के समकक्ष के रूप में तैयार किए जाएंगे। बता दें कि कोरोना मरीजों के इलाज के लिए जिले के एक भी निजी अस्पताल ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है। वहीं कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसलिए प्रशासन ने बेड बढ़ाने के लिए शासन को पत्र लिखा था। अधिसूचित संस्थानों में से एक को छोड़ सभी जगह क्वारंटाइन सेंटर चल रहे हैं। क्वारंटाइन सेंटरों के लिए दूसरी जगह ढूंढी जाएगी और यहां एल-1 का समकक्ष अस्पताल बनाया जाएगा।

## गाजियाबाद का नगर क्षेत्र रेड जोन घोषित, 21 दिन में तीन गुने हुए मरीज

गाजियाबाद : कोरोना संक्रमितों की ही संख्या बढ़ने के कारण गाजियाबाद का नगर क्षेत्र रेड जोन घोषित कर दिया गया। शासन ने कोरोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि के चलते यह फैसला लिया है। हालांकि गाजियाबाद में स्वस्थ होने वालों का अनुपात बाकी जिलों के मुकाबले कहीं अच्छा है। रेड जोन घोषित किए जाने के पीछे सबसे बड़ा कारण रहा कि मई में कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। मार्च और अप्रैल में कुल 66 पॉजिटिव थे और अब 21 मई तक कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 202 पहुंच गया। मार्च और अप्रैल के केस के मुकाबले मई के 21 दिन में दोगुने से भी अधिक केस आ चुके हैं। मई के सिर्फ दो ही दिन ऐसे बीते, जब

संक्रमित कम और स्वस्थ हुए ज्यादा

बीती 14 मई को प्रशासन ने कोरोना अपडेट जारी नहीं की और शासन द्वारा जारी बुलेटिन में 14 मई को 19 लोगों के संक्रमित होने की जानकारी दी गई। मगर प्रशासन की एक दिन पहले की अपडेट के मुकाबले संक्रमितों की संख्या में 24 की वृद्धि दर्ज की गई। तब प्रशासन पांच मरीज कम बता रहा था और अगले दिन इसे गलती को सुधार लिया। मगर 19 और 20 मई के आंकड़ों में फिर हेरफेर कर दिया गया। 20 मई को प्रशासन ने संक्रमित 196 और स्वस्थ लोगों की संख्या 161 बताई, जबकि लखनऊ के बुलेटिन में गाजियाबाद के कुल संक्रमित 199 और स्वस्थ हुए लोगों की संख्या 151 बताई गई थी। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि गाजियाबाद में स्वस्थ होने वालों का अनुपात बाकी जिलों के मुकाबले कहीं अच्छा है।

कोरोना नया केस नहीं जुड़ा। नौ अप्रैल और 21 मई को एक भी रिपोर्ट पॉजिटिव नहीं पाई गई। संक्रमितों में दो गुने की बढ़ोत्तरी हुई तो सक्रिय मरीज भी दोगुने हो गए, लेकिन हालांकि 21 दिन

में 119 लोग कोरोना मुक्त भी हुए। सीएमओ ने कहा कि इन 21 दिन में संक्रमितों के सापेक्ष ठीक होने वालों का फीसद 87.5 है, जो कि पूरे प्रदेश में सर्वाधिक है।



## Congress buses wait at border, Roadways bring fleet of 370

**NOIDA/GHAZIABAD:** The faceoff between the Yogi Adityanath government and Priyanka Gandhi Vadra continued on Wednesday. By the end of the day, not a single bus hired by the Congress had managed to leave from NCR. By Wednesday noon, the Congress had arranged for some buses at the Delhi-Noida border. However, none of them were allowed to head towards Expo Mart in Greater Noida. “Our motive was to help the migrants. Instead of allowing our buses to ferry them, the UP government did not allow them entry,” GB Nagar Congress president

Manoj Chaudhary said. Around the same time, UP Roadways also parked over 300 buses on DND Flyway. “Nearly 370 buses have been provided to the Noida administration to ferry migrants,” said assistant regional roadways manager, Noida, Anurag Yadav. Congress workers said they had sent two buses with migrants towards Noida, but police asked them to get off and board the Roadways buses instead. Some migrants seated in the buses said that they were headed to Pratapgarh in UP. Following this, party workers in both districts lodged

a protest with the local administrations, which said they were well-equipped to send migrant workers home, whether help was provided or not. “Irrespective of any external support, we continued to send migrants to their hometowns via buses and trains,” said GB Nagar chief development officer and nodal officer for coordination with Congress, Anil Kumar Singh. In Ghaziabad, AK Singh, the regional transport manager, said, “We don’t need any buses. We have over 400 Roadways and 600 private buses. They are sufficient to transport workers. Help was

needed a week ago but nobody came forward at that time.” Most of the Roadways buses were sent back to the Botanical Garden metro station bus depot in the evening. Congress workers claimed they had been deployed only as a show of strength, not for the purpose of helping anyone. While most of the workers dispersed, a handful of them stayed back, saying they would camp towards the Delhi end of DND Flyway till they received word from senior leaders. Meanwhile, Congress workers as well as the bus owner faced police action.

## Seven clusters identified in Noida to ramp up screening

**NOIDA:** The district administration and the health department have identified seven clusters in the city that have reported a number of Covid-19 cases and planned intensive surveillance and sanitisation drives for those areas. Medical camps have been set up at these places to encourage everyone to visit doctors who screen residents for influenza-like illness (ILI) symptoms. Officials said that a separate health strategy has been formulated for the seven areas to ensure that a Khoda-like situation can be avoided in Noida. Khoda, in

Ghaziabad, has emerged as a cluster reporting around 30 Covid-19 cases so far. In Noida, the seven areas are four JJ Colony clusters (sectors 5, 8, 9 and 10) Mamura near Sector 66, Harola near Sector 5 and Nagla Charandas in Phase 2 of Noida. The list, however, does not include Sector 30 and Nithari in Sector 31, both of which have reported a number of cases. Most of the cases in these two places have been traced to healthcare workers. “The challenge in these seven areas is that social distancing is very difficult.

## Court hearings resume via video conference

**NOIDA:** After a 2-month-long hiatus, courts in Noida resumed hearings on Friday. Judges hearing the cases and lawyers arguing them sat in different rooms and the proceedings took place via video conference. Similar proceedings will take on Monday and Tuesday next week. The Allahabad high court is expected to come out with a ruling on functioning of courts sometime next week, following which the schedule of the next few weeks would be decided for the city courts. At present, courts in Noida are only taking up bail applications for hearing. Lawyers associated with cases need to

send their applications by email before noon and they would be taken up for hearing on the subsequent date. According to a notice issued by the district legal services, only four lawyers would be allowed to enter the court library at a time. The magistrate would be seated in another room and hear the applications through video conference. A circular issued by the district legal services says courts of the chief judicial magistrate, additional chief judicial magistrate (I), additional district and sessions judge (Pocso Act) and additional district and sessions judge (I) will function on Monday.

## GNoida : Four schools waive fee for four months

**GREATER NOIDA:** As many as four private schools in Greater Noida’s Rabupura and Dadri have decided to waive the tuitions fee for March to June. These are primary schools that teach classes Nursery to Class VIII and are affiliated to state and CBSE boards. The schools are Adarsh Bal Niketan, Maa Sarashwati Shishu Mandir, Singh Public School, Falenda village, Rabupura and LS Memorial School in Badpura, Dadri. Around 400 students are enrolled in each of these schools that have 10-15 teachers each. The monthly fee is between Rs 300 and 1,500. Asked what prompted the management to

take the decision, Rohtash Singh, the principal of Singh Public school, said he was extremely disturbed to see that people were taking their children out of schools because they were unable to pay fee. “Of the 600 students enrolled in my school, 70% have farming background. The rest depend on some odd jobs or are daily wage earners. I saw a lot of them struggling to even survive, forget education,” he said. “This is how I think I am helping them.” He said that they will decide on what to do after June depending on the situation. The decision has been welcomed by parents and some even asked the managements of big private

schools in Noida to take note. “If such small schools with so less to earn can do it then why can’t they?,” a Noida resident said in a tweet. Sumit Gaur, an Uber driver whose two children study in Maa Saraswati Shishu Mandir said: “I had no idea about how I was going to pay their fees, as we are hardly able to make our ends meet. At this time, the school taking the responsibility of my kids’ education is an extraordinary thing to do. I am indebted to them.” Rajkumar, a security guard from Falenda village who works in the factory that was shut for months and resumed work just a few back, said his salary for March has not come

in yet. “I thought I will have to stop my daughters’ education. They are seventh and eighth grades at Adarsh Bal Niketan. But it turned out that school management was there to save us,” he said. Asked about virtual classes principal Dinesh Kumar Sharma said: “Students call or text me or the teachers from someone’s phone and we give them tuitions.” One principal, however, said he got threats. “I got at least five calls from two schools in Haryana and Madhya Pradesh after I made the announcement,” said Ankit Bhati, manager, LS Memorial School. He has lodged a police complaint.

### हेल्प लाईन नंबर

#### गाजियाबाद प्रशासन

डीएम —	2824416
आवास —	2820106
एडीएम (सिटी) —	2828411
एडीएम (प्रशासन) —	2827016
सिटी मजिस्ट्रेट —	2827365
आयकर विभाग—	2714144
पासपोर्ट कार्यालय—	2721779

#### पुलिस अधिकारी

एसएसपी —	2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर—	2854015
पुलिसअधी. यातायात—	2829520
सीओ प्रथम—	2733070
सीओ द्वितीय —	2791769
सीओ एलआईयू—	2700925
सीओ लोनी—	3125539

#### जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए —	2791114
जीडीए सचिव —	2790891

#### अस्पताल

सी.एम.ओ. —	2710754
सी.एम.एस. —	2730038
आपातकालीन —	2850124
कोलम्बिया एशिया —	3989896
यशोदा अस्पताल—	2750001-04
गणेश अस्पताल —	4183900
संतोष अस्पताल —	2741777
सर्वोदय अस्पताल —	2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल	2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस)	2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस)	2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल	4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर	43075600

#### बीएसएनएल

जीएम 2755777

#### अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम —	2734906
कोतवाली —	2732099
जिला कन्ट्रोल रूम —	2766898

#### पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम—	9643322921
एसएचओ खोडा—	9643322922
एसएचओ—साहिबाबाद—	9643322923
एसएचओ लिंक रोड—	9643322924
कोतवाली —	2732088
सिहानी गेट —	2791627
कविनगर —	2711843
विजयनगर —	2740797
इंदिरापुरम —	2902858
लोनी —	2600097
अग्निशमन विभाग	2732099
	9818702101
रेलवे इन्कवायरी —	131

#### नगर निगम

नगरायुक्त—	2790425,2713580
------------	-----------------

#### विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता —	2821025
-----------------	---------

#### पूछताछ

रेलवे कस्टमर —	2797840, 139
रिजर्वेशन —	8888
रोडवेज इन्कवायरी —	2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार,  
विज्ञापन के लिए  
सम्पर्क करें।  
**Phone No.:**  
**0120-4561000**



## Lockdown Guidelines: Ghaziabad rules to be uniform with Delhi, Noida?

**GHAZIABAD:** A notification issued by principal secretary Amit Mohan Prasad has put Ghaziabad’s city area back in the red zone along with Agra, Meerut, Kanpur city and Noida. The parameters to decide which district is classified under which zone have also been laid down in the notification number of active cases, number of active cases per lakh population, doubling rate (the time it takes for the number of cases to double), case fatality rate (the number of deaths as a ratio of the number of cases), testing ratio (number of tests per lakh

population) and sample positivity rate (number of samples that tested positive in comparison with the total number of samples tested). The change in Ghaziabad’s colour-coding will have an impact on the easing of existing regulations that is expected on Friday. Districts with no case for 21 days will be considered green zones. In Ghaziabad, the number of cases has nearly tripled in the past 21 days. It had been declared an orange zone by the Centre on April 30 it had 66 cases then, of which 19 were active.

## 2 more cases from Oppo, 7 others take Noida tally past 300

**NOIDA:** Five more employees of mobile manufacturing unit Oppo tested positive for Covid-19 on Thursday, of whom two are from Greater Noida. This takes the company’s Covid tally to 11. In Noida, seven other cases were reported on Thursday, taking the district’s count to 302. Apart from the two in Greater Noida a 20-year-old man from Kasna and a 28-year-old man from Habibpur Sutyana village the three others from the company were cross-notified, one to Mathura and two to Bihar.

## After 2 months, glimpses of a usual day in Noida

**NOIDA:** For the first time in two months, the city’s streets looked lively on Thursday. Still far from a regular weekday in Noida but as people came out of their homes to take their long awaited walks, shopkeepers at Atta Market drew up their shutters and wiped clean dust-coated mannequins, and autos came out to pick up passengers again, the city got a glimpse of its usual self. But the mask-covered faces and lone passengers on three-wheelers were also instant reminders of what the new normal would be on the day Noida opened up for business to this extent for

## No permit needed for construction in Noida

**NOIDA:** The Noida Authority on Thursday said that no permission will be needed to carry out construction activities in the city. No work, however, can be carried out on construction sites that are located within containment zones, where people are under observation, officials said. The chief executive officer of Noida Authority, Ritu Maheshwari said that following social distancing norms would be essential at the construction sites and sanitisation would have to be carried out at all places.

## 5 more test Covid-19 positive in Noida, tally reaches 307

**NOIDA:** Five cases were reported in Noida on Friday, taking the district’s Covid count to 307. The patients included a 23-year-old man from Gaur City II, who is an employee of the media organisation from where 32 cases have been reported so far. More than 70 employees of the media group, who have been exhibiting symptoms of the virus, have been tested, but their reports are still awaited. Officials said over 200 employees have been screened over the past two days and 48 have been sent to various quarantine centres. A health department team visited

the office premises on Friday evening to review sanitisation and screening work. Among the other patients are a father-daughter duo from Gijhore, two men, aged 23 and 36 years, from Sector 4 in Greater Noida. The source of infection for these four cases is unknown. All four had been showing symptoms and got themselves tested at private labs. Five more persons were discharged on Friday four from Sharda Hospital and one from Child PGI. A total of 214 patients have recovered so far and the number of active cases is 88.

## Zurich AG asked to begin work at Jewar airport

**GNOIDA:** Appointed as the concessionaire for the Jewar airport, the Switzerland-based airport operator, Zurich AG, has been asked to start gearing up to set up international greenfield airport in Greater Noida. Officials of Noida International Airport Limited (NIAL) on Wednesday forwarded an email to Zurich AG to inform them about the latest development. On May 18, the Union government had issued security clearance to Zurich AG and its directors to set up an international airport in Greater Noida off Yamuna Expressway.

## Man tests positive after committing suicide

**PATNA:** A 30-year-old migrant worker, who had hanged himself at a quarantine centre in Hajipur late on Wednesday evening, has tested positive for Covid19. He had returned from Noida on May 18. “The test report of the migrant worker reached the district headquarters on Thursday morning. The sample was sent to NMCH, Patna, for test. He was in depression for being quarantined for the second time,” said Vaishali civil surgeon Dr Indradev Ranjan, adding, he was in quarantine at a government hostel for girls near Dighi at Hajipur. The deceased was reportedly quarantined in Delhi as well.

The deceased had reached his native village in Vaishali district from Noida on May 18 and was quarantined at Belsar Bazar from where he was shifted to Hajipur after he complained of cough and fever. At the quarantine centre in Hajipur, he also complained of chest pain. The youth was kept in isolation at the quarantine centre after his condition deteriorated on Tuesday. But around 5.30 pm on Wednesday he committed suicide. However, the victim’s brother, Rakesh Kumar, claimed that his brother looked fine when he had visited the quarantine centre earlier in the day to bring him home cooked food.

## Station used for shramik trains struggles with infrastructure

**Noida:** After making it to the railway station in hope of getting on board a homeward bound train, migrant workers find one more challenge in the final lap getting to the train after crossing tracks. The little-used Dankaur station is where workers who mean to get home to other districts within the state converge. During the day, it’s manageable. But at night, just getting to the train can be a hazard some trains are across the tracks. The lights barely ever function here. “Policemen sometimes use lights on their vehicles and even their phones to guide them to the train,” an official said.

## 27 containment zones added in Noida, but sealed areas smaller

**NOIDA:** The administration on Wednesday identified 63 containment zones, a jump of 27 areas in a week, and issued fresh guidelines on the demarcation of containment zones. The new rules are in line with the state government guidelines, released on Monday. The size of each containment zone is much reduced those with one Covid-19 case will have areas in a 250m radius sealed off while those with more than one will have a 500m radius sealed off with an additional 250m buffer zone. This, however, will apply only to urban spaces. The demarcation of area under

containment in slums and villages like JJ Colony, Nithari, Mamura, Nat Mandiya, Bsirakh and Chauda turned out to be challenging. “People live in tight, dense clusters in these areas and also come in contact with more people. Shops and common area are shared by many. It is difficult to stick to a 250-m or a 500-m radius if we want to contain the spread of the disease. In many places, we have decided to seal the entire village,” a health department official said. “Bigger buffer zones may also be created in these areas if the number of cases continues to rise,” a district official said.



## यूपी रेरा ने 25 मार्च और उसके बाद पूर्ण होने वाले प्रोजेक्टों की समय सीमा में छह माह का विस्तार दिया

गाजियाबाद : रियल एस्टेट सेक्टर में हाउसिंग और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट को पूरा करने की समयसीमा में छह माह का विस्तार दे दिया गया है। इससे बिल्डर राहत महसूस कर रहे हैं। केंद्र की सलाह मानते हुए यूपी-रेरा ने आदेश जारी कर दिया है। जिले में 347 हाउसिंग और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट पंजीकृत हैं। 326 प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जिनकी पूर्णता (कंप्लीशन) तिथि 25 मार्च और उसके बाद है। 32 प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जिनमें आवंटियों को फ्लैट का कब्जा देने की डेडलाइन बहुत करीब आ रही थी। क्रेडाय की तरफ से केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री को पत्र भेज

प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए समय सीमा में विस्तार की मांग की गई थी। पिछले दिनों केंद्रीय वित्त मंत्री ने बिल्डरों की परेशानी को समझते हुए रेरा को सुझाव दिया था कि वह प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए छह माह का विस्तार दें। इस सुझाव को मानते हुए यूपी-रेरा ने 25 मार्च और उसके बाद की समय सीमा वाले सभी प्रोजेक्टों को पूरा करने के लिए छह माह का समय विस्तार दे दिया है। बिल्डरों को समय सीमा का नया प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इससे बिल्डरों को फायदा होगा कि उनके प्रोजेक्ट की नई समय सीमा निर्धारित हो जाएगी।

## कोरोना पॉजिटिव को भेजा अस्पताल

गाजियाबाद % कोरोना से जंग जीतकर घर लौटने पर फूल बरसाने और तालियों से स्वागत किए जाने के किस्से तो खूब सामने आ रहे हैं लेकिन सोमवार को पहला एक ऐसा केस सामने आया है जिसमें पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद लोगों ने संबंधित व्यक्ति को अस्पताल भेजते समय उसका खूब सम्मान किया। तालियां बजाकर मरीज को अस्पताल के लिए विदा किया। मामला महागुणपुरम सोसायटी का है। यहां के एक व्यक्ति की रिपोर्ट रविवार को पॉजिटिव आई थी। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम उन्हे लेने जब उनके घर पहुंची तो वहां का नजारा देखकर टीम भी हैरान रह गई। जब लोगों ने ताली बजाकर उसे विदा किया।

## कोविड अस्पतालों के वेंटिलेटर चालू करने के दिए गए आदेश

गाजियाबाद : स्वास्थ्य निदेशक ने कोविड अस्पतालों के वेंटिलेटर को तुरंत चालू करने का निर्देश दिया है। बता दें कि कोविड-19 के एल-2 और एल-3 अस्पतालों में 10 बेड पर एक वेंटिलेटर का नियम है। कोरोना के चलते बनाए गए एल-2 और एल-3 अस्पताल के लिए दूसरे जिलों से एनस्थेतिस्ट का जरूरत वाले जिलों में ट्रांसफर किया गया है। निदेशक ने सभी सीएमओ, सीएमएस और मंडलीय स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र लिखा है कि ट्रांसफर किए गए एनस्थेतिस्ट व अन्य मेडिकल स्टाफ को तुरंत कार्यमुक्त कर संबंधित जिले में भेजा जाए। निदेशक ने अपने पत्र में ट्रांसफर किए गए स्वास्थ्य

कर्मियों की तैनाती की रिपोर्ट भी मांगी है। हालांकि गाजियाबाद में आठ एनस्थेतिस्ट मिल चुके हैं, जो संयुक्त अस्पताल के एल-2 में तैनात हैं। हालांकि यहां वेंटिलेटर चालू नहीं हैं। सीएमओ ने बताया कि सभी वेंटिलेटर सुचारू हैं। हालांकि अभी तक जरूरत नहीं पड़ने के चलते इन्हें चालू नहीं किया गया था। संयुक्त अस्पताल को इन्हें चालू कर रिपोर्ट देने को कहा है, जो ट्रांसफर होकर आए स्वास्थ्यकर्मियों की रिपोर्ट के साथ शासन को भेज दी जाएगी। एल-3 अस्पताल के लिए संतोष मेडिकल कॉलेज में तैयारी चल रही है। यहां सभी स्टाफ कॉलेज का अपना तैनात किया जाएगा।



**Rotary**  
R.I. District - 3012



**Rotary** **HEALTH AWARENESS MISSION**



**ROTARY CONNECTS THE WORLD 2019-20**



**Disinfect surfaces around your home and work**



**Wash your hands for at least 20 seconds**

# ROTARY CLUB OF INDIRAPURAM GALORE

## CORONA VIRUS SAFETY COVID-19

### Do not panic unnecessarily... Do not spread rumours...

Symptoms of Novel Corona Virus (COVID-19)



**COUGH**



**HIGH FEVER**



**HEADACHE**



**SORE THROAT**

Prevention of Novel Corona Virus (COVID-19)



**WASH YOUR HANDS OFTEN**



**WEAR A FACE MASK**



**AVOID CONTACT WITH SICK PEOPLE**



**ALWAYS COVER YOUR COUGH OR SNEEZE**

**Plot No. 516, Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.) 201012**

**Dr. Dheeraj Kumar Bhargava Mob.: 9871895198**  
**Poonam Bala, Khushal Chopra, Prateek Bhargava, Suneel Gautam, Manisha Bhargava, Amit Kansal, Pankaj Saxena, Sandeep Indoria, Arun Kumar, Pankaj Bansal, Kunika Bhargava, Aproova Raj, Chandan Singhal, Saurabh Pandey, Sandeep Indoria, Arun Kumar, Sameer Anand, Mayank Bhargava, Nidhi Thareja**